व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव

हिंदी विभाग

अर्द्धवार्षिक (षण्मासी) प्रतिवेदन

शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५

१) अंतर्राष्ट्रीय योग दिन में योग शिक्षक के रूप में सहभाग (२१ जून २०२४) :-

व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव में अंतर्राष्ट्रीय योग दिन के उपलक्ष्य योग शिक्षक के रूप में प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने सक्रिय सहभाग लिया।

२) हिंदी विभाग की बैठक (२९ जून २०२४) : -

शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ हिंदी विभाग के वार्षिक नियोजन की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ और प्रा. डॉ. संजय जोशी उपस्थित रहे।

३) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभाग (२४ से २७ जुलाई २०२४) :-

विश्व हिंदी परिषद आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन ' युगपुरुष श्री अरविंद : हिंदी भाषा और विकसित भारत ' में प्रतिभागी के रुप में धाराशिव ज़िला (महाराष्ट्र) प्रतिनिधित्व प्रा. डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ ' वेदार्य ' करते हुए 'सुमित्रानंदन पंत रचित 'सुवर्ण किरण' काव्य पर श्री अरविंद का प्रभाव ' शीर्षक शोधालेख प्रस्तुत किया। परीक्षक गण प्रो. अरुण सज्जन जी, प्रो. डॉ. रामनारायण पटेल जी, प्रो. डॉ. दीनदयाल जी और प्रो. डॉ. श्रवण कुमार जी ने उक्त शोधालेख पर अपनी-अपनी टिप्पणी प्रस्तुत की।

४) मुंशी प्रेमचंद जयन्ती (३१ जुलाई २०२४) :-

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यान के समय अध्यक्ष प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. प्रशांत चौधरी जी, प्रमुख अतिथि श्री. श्रीराम चतुर्वेदी जी, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रा. डॉ. मकरंद चौधरी जी, हिंदी विभाग अध्यक्ष डॉ. विनोदकुमार वायचळ जी, सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय जोशी जी और सहायक प्राध्यापिका सुश्री. तृप्ति सोनवणे जी का पुष्प स्तबक से स्वागत संपन्न किया गया। मुंशी प्रेमचंद की जयंती उत्सव की

प्रस्तावना प्रा. डॉ. संजय जोशी जी ने की। मुंशी प्रेमचंद जयंती उत्सव का अध्यक्षीय समापन प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. प्रशांत गुणवंत चौधरी सर ने किया। मुंशी प्रेमचंद की जयंती उत्सव में विशेष अतिथि के रूप में मार्गदर्शन सुप्रसिद्ध प्रकाशक श्री. श्रीराम चतुर्वेदी जी कानपुर, उत्तर प्रदेश मार्गदर्शन किया।

मुंशी प्रेमचंद जयंती उत्सव के अवसर पर ' मुंशी प्रेमचंद के कथा साहित्य का दृक्श्राव्य रूपांतरण' इस विषय पर शक्ति बिंदु प्रस्तुतिकरण हिंदी विभाग अध्यक्ष प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ जी ने किया। मुंशी प्रेमचंद की जयंती उत्सव में कृतज्ञता ज्ञापन करते हुए सहायक प्राध्यापिका सुश्री. तृप्ति सोनवणे जी ने किया। तत्पश्चात मुंशी प्रेमचंद की जयंती उत्सव के अवसर पर तहरीर मुंशी प्रेमचंद की धारावाहिक के अंतर्गत 'ईदगाह' टेलीफिल्म हिंदी मेजर विषय के छात्रों ने देखी।

५) पूर्व छात्रा अस्थायी सहायक प्राध्यापक का सत्कार (३१ जुलाई २०२४) :-

स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचलित रामकृष्ण परमहंस महाविद्यालय, धाराशिव के हिंदी विभाग के अस्थायी सहायक प्राध्यापक के पद पर चयन होने पर व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव के हिंदी की पूर्व छात्रा सुश्री. स्वाति हिराजी देडे जी का हार्दिक अभिनंदन और शुभकामनाएँ प्रदान की गयी।

६) हिंदी चलचित्रों का प्रदर्शन (५अगस्त से १० सितम्बर २०२४) :-

बी. एस्सी, प्रथम वर्ष के हिंदी जेनेरिक के पाठ्यक्रम में निर्धारित चार हिंदी चलचित्रों — 'मोहनदास', 'तीसरी कसम', 'हिंदी मीडियम' और '१२ वीं फेल' का प्रदर्शन रखा गया। प्रस्तुत चलचित्रों का दि. ५ अगस्त से १० सितम्बर २०२४ तक हर सोमवार और मंगलवार को रखा गया था।

७) राष्ट्रीय सर्व साधारण सभा में सहभाग (७-८ अगस्त २०२४) :-

विद्याभारती की अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रीय सर्व साधारण सभा में प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने सक्रिय सहभाग लिया।

८) **विद्यावाचस्पति मौखिकी बहिस्थ परीक्षक के रूप में सहभाग (९-१० अगस्त २०२४)** :-

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे के हिंदी विभाग में शोधछात्रा सुश्री. संगीता शरदचंद्र रॉय की विद्यावाचस्पति की प्रकट मौखिकी परीक्षा में बहि:स्थ परीक्षक के रूप में उपस्थित रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ जी, विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. विजयकुमार रोडे जी, शोध-निर्देशक प्रा. डॉ. मोहम्मद शाकीर शेख जी (पूना कॉलेज) , अनुसंधान केंद्र प्रमुख प्रो. डॉ. मधुकर राठोड़ जी (प्रा. रामकृष्ण मोरे महाविद्यालय), प्रो. डॉ. बाळासाहेब सोनवणे

जी (डॉ. अरविंद तेलंग महाविद्यालय), श्री. शरदचंद्र रॉय जी (शोधछात्रा के पिताजी) और शोधछात्रा सुश्री. संगीता रॉय आदि का भावभीना सत्कार किया गया। शोधछात्रा सुश्री. संगीता शरदचंद्र रॉय जी ने अपने शोध-विषय 'चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य में अंकित जीवन मूल्य ' पर शक्ति बिंदू प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उपस्थित शोधछात्रों और अध्यापकों की शंका ओं का यथोचित समाधान करने के बाद बहि:स्थ परीक्षक ने विद्यावाचस्पति की शोधोपाधि की संस्तुति के उपरांत शोध-निर्देशक और अनुसंधान केंद्र प्रमुख ने इस शोधकार्य के महत्व का प्रतिवेदन किया। हिंदी विभागाध्यक्ष ने शोधोपाधि प्रदान करने की घोषणा की।

९) **कै. सौ. कांचनमाला वायचळ स्मृति पुरस्कार (१५ अगस्त २०२४) :-**

आर्य चाणक्य उच्च माध्यमिक विद्यालय, धाराशिव की कक्षा बारहवीं की छात्रा सुश्री. विनया लक्ष्मण जाधव को हिंदी विषय में सर्व प्रथम आने पर कै. सौ. कांचनमाला विलासराव वायचळ स्मृति पुरस्कार २०२४ शालेय समिति के अध्यक्ष डॉ. अभय शहापूरकर जी और मुख्याध्यापक डॉ. मनिष देशपांडे जी ने प्रदान किया।

व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव की बी. ए. की छात्रा सुश्री. महेविश मुस्तफा बागवान को विश्वविद्यालयीन परीक्षा मार्च २०२४ विषय में सर्व प्रथम आने पर कै. सौ. कांचनमाला विलासराव वायचळ स्मृति पुरस्कार २०२४ प्रदान करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर के राज्यपाल नियुक्ती व्यवस्थापन परिषद के सदस्य प्रो. डॉ. गजानन सानप जी के कर कमलों से प्रदान किया गया। इस अवसर पर छात्रा के अभिभावक श्री. मुस्तफा बागवान जी, अधिसभा सदस्य श्री. देविदास पाठक जी और प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी आदि उपस्थित रहे।

१०) **प्राचार्य वेदकुमार वेदालंकार जी का सत्कार (१६ अगस्त २०२४) :-**

आदरणीय प्राचार्य वेदकुमार वेदालंकार ' वेदमुनी ' जी को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर उपपरिसर धाराशिव में जीवन साधना पुरस्कार प्रदान कर गौरवान्वित किया गया। इस अवसर पर प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने पुष्पमाला, पुष्पस्तबक, शाल लेकर सत्कार किया।

११) **राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० उद्बोधन एवं संवेदीकरण लघु कालावधि पाठ्यक्रम में सहभाग (२ से १२ सितम्बर २०२४) :-**

मदनमोहन मालवीय मिशन, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० उद्बोधन एवं संवेदीकरण लघु कालावधि पाठ्यक्रम में प्रा. डॉ. संजय जोशी ने सक्रिय सहभाग लिया।

१२)**सातवीं अन्तर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी का आयोजन (१४ सितम्बर २०२४) :-**

तपस्वी पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट, येवती संचलित व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय हिंदी दिन के उपलक्ष्य में ७ वीं अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी ' भारतीय ज्ञान परंपरा के संवाहक : महर्षि दयानन्द सरस्वती जी और योगी श्री अरविंद घोष जी ' का आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर सर्वप्रथम प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. मकरंद चौधरी जी, हिंदी विभागाध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. विनोदकुमार वायचळ जी, सह-संयोजक डॉ. संजय जोशी जी, सह-संयोजक डॉ. तृप्ती सोनवणे जी और तकनीकी सहायक डॉ. शिवाजी खडके जी ने भारत माता की प्रतिमा का पूजन किया।

तदुपरांत सभी उपस्थित महानुभावों का पुष्प स्तबक, स्मृतिचिह्न और ग्रंथ देकर स्वागत-सत्कार किया गया। दिवंगत प्रो. डॉ. सौ. मंजुलता विद्यार्थी जी और श्री. अपूर्व मस्के की आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। तत्पश्चात संयोजक ने वैदिक राष्ट्रीय प्रार्थना पाठ के बाद प्रस्तावना की।

विषय प्रवर्तक के रूप में डॉ. अपर्णा रॉय जी (अरविंद आश्रम, दिल्ली) ने महर्षि दयानन्द सरस्वती जी और योगी श्री अरविंद घोष जी के वेदभाष्य के समानता तथा दोनों के योगदान की चर्चा की।

तत्पश्चात् विशेष अतिथि पं. सोनेराव आचार्य जी (२५ वर्षों तक विदेशों में वेद-प्रचारक) ने महर्षि दयानन्द सरस्वती जी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा के पुनरूत्थान में किये योगदान का विवेचन किया। आधुनिक प्रांजल हिंदी गद्य लेखन में महर्षि दयानन्द सरस्वती जी और आर्य समाजी विद्वानों के योगदान को अधोरेखित भी किया। तदुपरांत प्रमुख अतिथि प्रो. डॉ. मिथिलेश मिश्र जी (वरिष्ठ प्रोफेसर, एशियायी भाषा विभाग, इलिनॉय विश्वविद्यालय, अमेरिका) ने योगी अरविंद जी के महाकाव्य ' सावित्री ' और ' वेद रहस्य ' का विवेचन करते हुए छायावादी कवियों पर उनके प्रभाव का उल्लेख किया।

उसके बाद आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ समन्वयक डॉ. मकरंद चौधरी जी ने राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता ' भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० ' के पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की। अध्यक्षीय समापन में प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी ने तीनों वक्ताओं के वक्तव्य पर अपना मंतव्य प्रस्तुत किया।

सूत्र संचालन डॉ. संजय जोशी जी ने तथा डॉ. तृप्ती सोनवणे जी ने कृतज्ञता ज्ञापन किया। वैदिक शान्तिपाठ से समापन किया गया। इस अवसर पर ३०० महानुभावों ने यू-ट्यूब के माध्यम से लाभ उठाया।

१३) **राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभाग (२० से २३ सितम्बर २०२४) :-**

सारनाथ, वाराणसी में तिब्बती शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान एवं महाकवि जयशंकर प्रसाद ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ' महाकवि जयशंकर प्रसाद और मुंशी प्रेमचंद : हिंदी साहित्य के दो मित्रवत स्तंभ ' में उपन्यास सम्राट प्रेमचंद और महाकवि जयशंकर प्रसाद पर महर्षि दयानंद सरस्वती तथा आर्य समाज की विचारधारा का प्रभाव ' शीर्षक शोधालेख का पठन प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने किया। इस सत्र में सत्राध्यक्षा प्रो. डॉ. मुक्ता जी (आलोचना सम्राट आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी की प्रपौत्री एवं आचार्य रामचंद्र शुक्ल शोध संस्थान की निदेशक) संयोजिका डॉ. कविता प्रसाद जी (महाकवि जयशंकर प्रसाद जी की प्रपौत्री), प्रो. डॉ. शशि किरण जी (लेखिका) और , प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार आदि ने अपने-अपने वक्तव्य रखे।

१४) **हिंदी पखवाड़ा प्रमुख अतिथि के रूप में सहभाग (२८ सितम्बर २०२४) :-**

विद्या नगरी के ' लातूर पॅटर्न ' से विख्यात राजर्षि शाहू महाविद्यालय में अपनी वाक्-सेवा प्रस्तुत करने का सु-अवसर प्राप्त हुआ। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. महादेव गव्हाणे जी, उपप्राचार्य प्रो. डॉ. सदाशिव शिंदे जी, पर्यवेक्षक प्रो. डॉ. भीमराव पाटील जी, हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पल्लवी पाटील जी, हिंदी विभाग के प्रा. डॉ. सूर्यकांत चव्हाण जी, प्रा. डॉ. अमोल लांडगे जी, प्रा. संगीता तोड़कर जी और प्रा. विजय गवळी जी एवं शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं का हार्दिक धन्यवाद !!!!

१५) **हिंदी पखवाड़ा विशेष अतिथि के रूप में सहभाग (३० सितम्बर २०२४)** :-

तेरणा पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट संचलित तेरणा कला महाविद्यालय, धाराशिव के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा समापन कार्यक्रम में हमारे सहयोगी प्राध्यापक डॉ. संजय जोशी जी का विशेष व्याख्यान संपन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अनघा तोड़करी जी ने प्रास्ताविक एवं विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की। सूत्रसंचालन एवं कृतज्ञता ज्ञापन प्रा. श्री. प्रतुल चव्हाण जी ने किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. अशोक घोलकर जी ने अध्यक्षीय समापन किया। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी और छात्र-छात्राएँ बड़ी तादात में उपस्थित रहें।

१६) विश्वविद्यालयीन परीक्षा प्रश्नपत्र निर्माण (३० सितम्बर से १ अक्तूबर २०२४) :-

प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ के अध्यक्षता में डॉ. अनघा तोडकरी, डॉ. मुख्तियार शेख और डॉ. महबूब पटेल ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपती संभाजीनगर के हिंदी प्रश्नपत्रिकों का निर्माण किया गया।

१७) **विद्यार्थी संसद उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में सहभाग (५ अक्तूबर २०२४) :-**

संभाजी महाविद्यालय, मुरुड, जि. लातूर में ' विद्यार्थी संसद ' उद्घाटन समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में उद्घाटकीय व्याख्यान संपन्न हुआ।

१८) **स्टेचू ऑफ़ यूनिटी का अवलोकन (१७ से १८ अक्तूबर २०२४) :-**

प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने एकता नगर स्थित लोहपुरुष वल्लभभाई पटेल जी की विश्व में सबसे बड़ी प्रतिमा का अवलोकन किया।

१९) विद्वत सभा में सहभाग (१९ से २० अक्तूबर २०२४) :-

पुनरुत्थान विद्यापीठ, अहमदाबाद की विद्वत सभा में प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने सक्रिय सहभाग लिया।

२०) साबरमती आश्रम का अवलोकन (२१ अक्तूबर २०२४) :-

प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने अहमदाबाद स्थित महात्मा गांधी जी द्वारा स्थापित साबरमती आश्रम का अवलोकन किया।

२१) अभ्यास परीक्षाओं का आयोजन (१९ से २३ अक्तूबर २०२४) :-

बी. ए. / बी. एस्सी./ बी. कॉम. प्रथम / द्वितीय / तृतीय वर्ष के छात्रों की अभ्यास परीक्षाओं का आयोजन किया गया।

२२) **पूर्व प्रस्तुतिकरण मौखिकी में विषय तज्ञ के रूप सहभाग (२६ अक्तूबर २०२४) :-**

हिंदी संशोधन केंद्र, रामकृष्ण परमहंस महाविद्यालय, धाराशिव में विद्यावाचस्पति शोधोपाधि की पूर्व प्रस्तुतिकरण मौखिकी में विषय तज्ञ के रूप प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ उपस्थित रहे। शोध-निर्देशक प्रो. डॉ. मुकुंद गायकवाड़ जी (प्राचार्य, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, तुळजापुर) के मार्गदर्शन में शोधछात्रा सुश्री. परवीन याकुब शेख अन्सारी ने " मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में चित्रित नारी के विविध रूप " विषय पर अपना पक्ष रखा। इस अवसर पर विषय तज्ञ प्रा. डॉ. विनोदकुमार वायचळ जी, संशोधन केंद्र समन्वयक प्रा. डॉ. केशव क्षिरसागर जी, विशेष उपस्थिति प्रो. डॉ. दत्ता साकोळे जी, प्रा. राणी कोरे जी, प्रा. स्वाति देडे एवं अन्यों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर शोधछात्रा ने दिये। अध्यक्षीय समापन में शोध निर्देशक प्राचार्य प्रो. डॉ. मुकुंद गायकवाड़ जी ने किया। सूत्रसंचालन प्रा. डॉ. केशव क्षिरसागर जी ने किया। कृतज्ञता ज्ञापन प्रा. राणी कोरे जी ने किया।